नेशनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ

(लखनऊ विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी कॉलेज)

'नैक' द्वारा 'ए' ग्रेड से मूल्यांकित महाविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट – सत्र 2016–17

इतिहास : नेशनल पी. जी. कालेज, लखनऊ की स्थापना सन् 1974 ई0 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके लौह पुरूष स्व0 श्री चन्द्र भानु गुप्त द्वारा बी0कॉम0 की कक्षाओं से हुई। सन् 1979 में बी0ए0 की कक्षाओं की मान्यता प्राप्त हुई। सन् 1991 ई0 में प्रोफेसर डॉ0 एस0पी0 सिंह ने प्राचार्य का कार्य भार ग्रहण किया। उनके निर्देषन में महाविद्यालय अत्यन्त तीव्रता के साथ विकास पथ पर अग्रसर हुआ।

विकास के दृष्टिकोण से शैक्षिक सत्र 2009–10 महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है, क्योंकि इसी वर्ष से नेषनल पी0जी0 कालेज को स्वायत्तषासी महाविद्यालय का स्तर प्राप्त हुआ है। वर्तमान समय में नेषनल कालेज लखनऊ विष्वविद्यालय का पहला स्वायत्तषासी पोस्ट ग्रेजुएट कालेज है तथा उत्तर प्रदेष का ऐसा पहला महाविद्यालय है जिसमे स्नातक एवं स्नात्कोत्तर दोनों ही स्तरों पर सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है। सत्र 2013–14 में 'नैक' द्वारा महाविद्यालय 'ए' श्रेणी से मूल्यांकित किया गया है एवं महाविद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता में भारत के श्रेष्ठतम् महाविद्यालयों में अग्रणी स्थान पर रखा गया है।

महाविद्यालय में बी0ए0, बी0कॉम0, बी0बी0ए0, बी0बी0ए0 (एम0एस0), बी0कॉम0 ऑनर्स, बी0ए0स0सी0, बी0सी0ए0, एम0कॉम0 तथा मनोविज्ञान, भूगोल एवं मानवषास्त्र विषयों में एम0ए0, बी0वॉक0, एम0वॉक0 तथा कम्यूनिटी कोर्सेज के अध्ययन की व्यवस्था है।

छात्र–छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु 'सेवेन स्टेप स्टूडेन्ट सपोर्ट कार्यक्रम' लागू है। जिसके अन्तर्गत छात्र–छात्राएं सात स्तरों पर अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते है।

गतिविधियाँ

(क) **शैक्षिक** – स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु महाविद्यालय के सभी संकायों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती रही है एवं छात्र–छात्राओं के विषय चुनाव एवं सत्रीय कार्यक्रम से अवगत कराने हेतु एक प्री–एडमीषन काउन्सिलिंग एवं प्रवेष उपरान्त ओरिएन्टेषन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

इस सत्र में 4 जुलाई 2016 को कला संकाय, 6 जुलाई 2016 को वाणिज्य संकाय, 9 जुलाई 2016 को विज्ञान संकाय तथा 12 जुलाई 2016 को प्रबन्धन संकाय का ओरिएन्टेषन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

समुचित अध्ययन अध्यापन के साथ छात्र–छात्राओं एवं षिक्षकों के ज्ञानवर्द्धन एवं शैक्षिक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर संगोष्ठियों, कार्यषालाओं, सम्मेलनों एवं प्रषिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

14 अप्रैल 2017 को डा0 अम्बेडकर जयन्ती पर एक और राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित है। इसके मुख्य वक्ता जोधपुर विष्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 एल0एस0 राठौर होंगे।

15 अगस्त 2016 को ''आजादी 2016'' कार्यक्रम के तहत अन्तर्संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं प्रबन्ध संकाय की टीमों के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

5 सितम्बर 2016 को महाविद्यालय में 'षिक्षक दिवस समारोह' आयोजित किया गया।

2 अक्टूबर 2016 को महात्मा गाँधी की जयन्ती पर 'भारतीय लोकतंत्र एवं गाँधी का जीवन दर्षन' राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

अक्टूबर 2016 में महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद अन्तर्संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने पूर्ण मनोयोग के साथ भाग लिया।

22–27 अक्टूबर को स्वर्गीय चन्द्रभानु गुप्त अन्तर्ममहाविद्यालयी क्रिकेट टूर्नामेण्ट का आयोजन हुआ।

नवम्बर एवं दिसम्बर 2016 में सेमेस्टर परीक्षाओं का अत्यन्त पवित्रतापूर्ण ढंग से आयोजन किया गया एवं 5 जनवरी 2017 तक समस्त परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये गये। परीक्षा परिणाम शत प्रतिषत रहा।

26 जनवरी 2017 को "स्पेक्ट्रम–2017" के अन्तर्गत अन्तर्संकाय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

मार्च 2017 में ही "ओज–2017" के अन्तर्गत अन्तर्संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

(विमुद्रीकरण पर कार्यषाला) दिनांक 16 दिसम्बर 2016 को एक कार्यषाला का आयोजन किया गया। (जी0एस0टी0 पर कार्यषाला) का आयोजन दिनांक 27 मार्च 2017 को हुआ।

3 मार्च 2017 में जियो–फेस्ट का अयोजन हुआ। भूगोल विभाग द्वारा 27 एवं 28 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अंग्रेजी विभाग द्वारा 'विमुद्रीकरण समाज के लिए उचित है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय कौषल विकास केन्द्र द्वारा 'साइबर सुरक्षा' पर 11 फरवरी 2017 को कार्यषाला का आयोजन किया गया। इसी केन्द्र द्वारा 25 फरवरी को 'सामाजिक सुरक्षा' पर भी एक कार्यषाला का आयोजन हुआ। हिन्दी विभाग द्वारा 17 जनवरी 2017 को 'प्रयोजनमूलक हिन्दी में रोजगार की संभावनाएँ' विषय पर कार्यषाला का आयोजन हुआ।

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्षन पर दिनांक 11 जनवरी 2017 को एक कार्यषाला का आयोजन किया गया।

21 रोवर्स–रेंजर्स के विष्वविद्यालय स्तरीय समागम का आयोजन जय नारायण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में हुआ। इसमें महाविद्यालय के लगभग बीस छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

इण्डियन एसोसिएषन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (IAPT) द्वारा आयोजित National Graduate Physics Examination 2017 में महाविद्यालय के छात्र आकाष श्रीवास्तव ने राज्य में श्रेष्ठतम् स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के 22 छात्र–छात्राओं को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

26 फरवरी से 4 मार्च 2015 तक 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एण्ड इक्जामिनेषन रिफार्म' विषय पर सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यषाला का आयोजन हुआ। इसी आधार पर सत्र 2015–16 से यह प्रणाली कॉलेज में लागू कर दी गई है।

प्रतिवर्ष सत्रान्त के अवसर पर मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है।

संक्षेप में उपलब्धियां

1. सत्र 2016–17 में महाविद्यालय में कुल 20 संगोष्ठियाँ एवं 6 कार्यषालाएँ आयोजित की गई, जिनमें 19 राष्ट्रीय एवं 7 अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की थीं।
2. महाविद्यालय में विष्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गाँधी, नेहरू एवं अम्बेडकर अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन केन्द्रों के तत्वावधान में सत्र 2016–17 में 9 राष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित की गई।
3. प्लेसमेन्ट हेतु महाविद्यालय में टी0सी0एस0, कनवर्जिस, एच0सी0एल0, इन्फोसिस, रिलायंस लाइफ इन्ष्योरेन्स सहित 22 कम्पनियाँ आयी एवं 651 छात्र–छात्राओं को प्लेसमेन्ट प्राप्त हुआ। फेडरेल बैंक एवं अजीमप्रेम जी फाउण्डेषन ने भी महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं का चयन किया।
4. विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में महाविद्यालय के 63 षिक्षकों ने सहभागिता की और अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।
5. सत्र 2016–17 में महाविद्यालय के षिक्षकों द्वारा लिखित 18 पुस्तकें प्रकाषित हुई तथा लगभग 95 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाषित हुए।
6. अधिकांष षिक्षकों के लगभग दो शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाषित हुए।
7. प्रबन्ध संकाय द्वारा दिनांक 18 फरवरी 2017 'कैरियर टिकट' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्पोरेट सेक्टर के विषेषज्ञों द्वारा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को कैरियर काउंसिलिंग दी गई।
8. नवम्बर 2016 में महाविद्यालय के प्राचार्य ने लखनऊ विष्वविद्यालय का कुलपति पद सुषोभित किया। यह महाविद्यालय के लिए अत्यन्त गौरव का विषय है। उसी समय मानव शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ0 नीरजा सिंह ने कॉलेज के प्राचार्य पद को ग्रहण

किया। महाविद्यालय की प्राचार्या की वर्तमान सत्र में एक पुस्तक प्रकाषित हुई तथा उन्हें एक राष्ट्रीय स्तर की शोध–पत्रिका का मुख्य सम्पादक नामित किया गया।

8. सत्र 2005 से महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई और आज महाविद्यालय का विज्ञान संकाय आधुनिकतम प्रयोगषालाओं से सुसज्जित श्रेष्ठतम् संकाय है।

9. सत्र 2002–03 से महाविद्यालय में प्रबन्ध संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई एवं आज प्रबन्ध संकाय का शैक्षिक गुणवत्ता में श्रेष्ठ स्थान है।

10. 'इंडिया टुडे' राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा जून, 2016 के अंक में निर्धारित देष के श्रेष्ठतम् 50 महाविद्यालयों में नेषनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ को प्रथम स्थान पर रखा गया है। इससे महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता स्वतः सिद्ध होती है। निरन्तर छह वर्षों से कॉलेज को स्थान प्राप्त हो रहा है।

11. सत्र 2015–16 में विष्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव, अनुसचिव एवं आयोग द्वारा नामित अनेक ख्याति प्राप्त आचार्यों ने महाविद्यालय का भ्रमण किया।

12. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कालेज को वर्चुअल क्लासेज, रेमेडियल क्लासेज एवं कम्पटेटिव क्लासेज तथा नेट परीक्षा की कक्षाओं की अनुमति प्रदान की गई।

13. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा महाविद्यालय को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन एवं परामर्श केन्द्र बनाया गया है।

14. महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित 17 लघु शोध परियोजनाओं पर शोध कार्य किया जा रहा है।

15. मूल्यांकन पूर्ण पारदर्षी ढंग से संपादित किया जाता है तथा टॉपर विद्यार्थी की कापी अवलोकनार्थ पुस्तकालय में रखी जाती है।

16. महाविद्यालय के एन0एस0एस0 एवं स्काउट गाइड इकाइयों के छात्र–छात्राओं द्वारा रक्तदान तथा अन्य समाजोपयोगी कार्य किये जाते हैं।

वर्तमान सत्र से लागू होने वाली प्रभावी योजनाएं–

1. सत्र 2015–16 से महाविद्यालय में 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एवं ग्रेडिंग प्रणाली' लागू की जा चुकी है।
2. महाविद्यालय की सेषनल परीक्षा को एकीकृत करके ऑनलाइन किये जाने की संकल्पना कार्य रूप में परिणत की जा रही है।
3. विभिन्न विभागों द्वारा लगभग एक दर्जन डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स लागू किये गये हैं।

भावी योजनाएँ – प्रबन्ध तंत्र की अनुमति के साथ बी0एड0 की कक्षाओं के संचालन पर विचार हो रहा है तथा चन्द्र भानु गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज की स्थापना भी विचारणीय है। इसी प्रकार महाविद्यालय के क्रीड़ा मैदान को भी विशाल स्टेडियम का रूप देने की योजना है। कैम्पस के विस्तारीकरण की योजना भी विचारणीय है। वर्तमान सत्र में अंग्रेजी, अर्थषास्त्र एवं हिन्दी विषय में स्नात्कोत्तर कक्षाओं का संचालन प्रस्तावित है।

वर्तमान समय में महाविद्यालय निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

धन्यवाद।

डॉ0 राम कृष्ण

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

नेषनल पी0जी0 कालेज